Seventeenth Loksabha

an>

Title: The Speaker appealed to the Members to maintain decorum and dignity of the House.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, यह सदन चर्चा और संवाद के लिए है। मैं आपको चर्चा करने के लिए प्रश्न काल के बाद शून्य काल में अलाऊ करूँगा। उपभोक्ता मामले के मंत्री जी यहां पर बैठे हैं और वरिष्ठ मंत्री जी भी यहां पर बैठे हैं। यह सदन चर्चा और संवाद के लिए है। नारेबाजी और तख्तियों के लिए नहीं है। आप सदन की गरिमा को गिरा रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। यह हमारे लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण काल अमृत काल खंड चल रहा है। आप चर्चा करें, संवाद करें, सहमति करें, असहमति करें और आलोचना करें। मैं सब को अलाऊ करूँगा।

लेकिन एक प्रक्रिया होती है, प्रश्न काल के बाद मैं आपको शून्य काल के अंदर अलाऊ करूंगा। आपका यह रवैया संसदीय व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। मैं पुन: आग्रह करूंगा। उसके बाद मैं आपसे आग्रह भी नहीं करूंगा। मैं आपसे फिर कह रहा हूँ कि आपको प्रश्न काल के बाद शून्य काल के अंदर बोलने की अनुमति दूंगा। उपभोक्ता मामले के मंत्री यहां पर बैठे हैं। अगर आप सीट पर जा कर बैठते हैं तो मैं आपको अलाऊ करूंगा। अगर आप सीट पर जा कर नहीं बैठते हैं तो मैं आपको अलाऊ नहीं करूंगा।